राजयोग की शक्ति को इन्होंने भी किया महसूस

हमने बहुत सारे पवित्र स्थान देखे, बहुत सारे तीर्थाटन किये, लेकिन अनुभव और उसकी महसूसता की शक्ति का अगर कोई दिव्य स्थान मिला तो वो यहाँ है। जब हम यहाँ पहुँचे तो यहाँ योगी और उसके प्रयोगी आत्माओं को देखा, उनमें राजयोग की शक्ति बखूबी नज़र आई। हमें पता चल रहा था, या यूँ कहें कि महसूस हो रहा था कि कोई मानव इस राजयोग को उत्पन्न नहीं कर सकता, ये परमात्मा का ही कार्य हो सकता है। क्योंकि इनकी जीवनशैली में वो सहजता, निर्मलता व सरलता नज़र आती है। इनका जीवन बोल रहा है कि हमें भी सकारात्मकता को अपने जीवन के साथ जोड़कर जीना चाहिए, ये हमें यहाँ आकर अनुभव हुआ। ऐसे कुछ महानुभावों के अनुभवों को हम आपके समक्ष संक्षिप्त रुप में रख रहे हैं।

राजयोग द्वारा सबको मिलता पुनर्जीवन

ब्रह्माकुमारी संस्था के इस आध्यात्मिक आंदोलन को मैं नमन करता हूँ। यह आंदोलन राजयोग की मज़बूत नींव पर ही आधारित है। आज के समय में पूरे विश्व के अंदर राजयोग द्वारा स्त्री शिक्षा तथा सबके अंदर पुनर्जीवन की जागृति इस संस्था की पहल है। मैं इस परिवर्तन का बहुत-बहुत दिल से सम्मान करता हूँ और राजयोग के द्वारा रुपांतरण की श्रृंखला में मैं भी शामिल होना चाहता हूँ। - **गुजरात के राज्यपाल महामहिम ओ.पी. कोहली।**

राजयोग की शक्ति बचाती नकारात्मकता से

यहाँ आकर ऐसा अनुभव हो रहा है कि जैसे मैं आध्यात्मिक रूप से गरीब दुनिया से निकलकर किसी अमीर दुनिया में आ गया हूँ। इस हॉल में प्रवेश करते ही पावरफुल पॉज़ीटिव वायब्रेशन्स अनुभव हो रहे हैं। जिस जगह इतने सकारात्मक प्रकम्पन हों, जहाँ इतनी श्रेष्ठ आत्माएं हों, वह जगह कितना पवित्र होगा! यहाँ से मैं ज़्यादा से ज़्यादा यह वायब्रेशन्स अपने मन-मस्तिष्क में भरकर वापस ले जाना चाहता हूँ। हमारी सेना देश की सीमाओं की रक्षा करती है, लेकिन यह ऐसी आध्यात्मिक सेना है जो हमारे मन की नकारात्मकता से रक्षा करती है। यह सेना हमारे मनोबल, चरित्र व श्रेष्ठता की रक्षा करती है। आज के समय में मानवीय मन पर कार्य करने की आवश्यकता है। आने वाली दुनिया श्रेष्ठ विचारों से चलेगी न कि पैसे से। देश के विकास में ब्रह्माकुमारी संस्था बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। - **जी न्यूज़ के एडिटर इन चीफ सुधीर चौधरी।**

राजयोग बढ़ाएगा हैप्पीनेस इंडेक्स

इस सकारात्मक ऊर्जा की आवश्यकता पूरे विश्व को है। खुश रहने के लिए अपने आपसे प्यार करो और उस परमात्मा से प्यार करो जिनसे सकारात्मक शक्ति प्राप्त होती है। जीवन में हमें भी राजयोगी जीवनशैली को अपनाकर सकारात्मकता को बढ़ावा देना चाहिए। इससे ही हमारे कार्यव्यवहार में हिम्मत बनी रहेगी। हैप्पीनेस इंडेक्स के मामले में ब्रह्माकुमारी संस्था एक रोशनदान की तरह काम कर रहा है जिसे दरवाज़े के रूप में बदलना होगा। - **इंडिया न्यूज़ के एडिटर इन चीफ दीपक चौरसिया।**

यहाँ की जन्नत राजयोग की उपज

हम लोग जन्नत, हेवन के बारे में कल्पना करते हैं लेकिन मैंने यहां ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू में जन्नत को देखा जो राजयोग की ही उपज है। यहां प्रत्येक व्यक्ति के चेहरे पर शांति, प्रेम, सहयोग की भावना और रौनक देखने को मिली। यहां से दुनिया में इंसानियत का पैगाम दिया जा रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ के उसूल और इस्लाम के उसूलों में काफी समानता है। राजयोग के रुहानी इल्म के द्वारा ही जन्नती इंसानी खूबियों को निखारा जा सकता है। - **इमामिया एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष नवाब ज़फर मीर अब्दुल्लाह।**

राजयोग द्वारा उपजती है सत्यनिष्ठा

ब्रह्माकुमारी संस्था भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने का कार्य कर रही है। यहाँ के ज्ञान और आध्यात्मिकता को देखकर हमारी आँखें खुल गईं। राजयोग के कमाल से ही सत्यनिष्ठा उत्पन्न हुई है। इस संस्था के कार्य को देखकर मैं बहुत अभिभूत हुआ। विश्व में कई संस्कृतियाँ आईं और चली गईं, किंतु हमारी संस्कृति आज भी जीवंत है, इसका कारण राजयोग और अध्यात्म ही है। - **असम के राज्यपाल महामहिम बनवारी लाल पुरोहित।**

राजयोग ने बुराइयों से दिलायी निजात

पॉन्डिचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी ने दिल्ली के तिहाड़ जेल का अनुभव सुनाते हुए कहा कि कैदियों को ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा राजयोग का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उनके अंदर की बहुत सारी बुरी आदतें छूट गईं। सबके अंदर सच्चाई सफाई पवित्रता और सेवाभाव भी आया। अब मैं ऐसा समझती हूँ कि ये राजयोग का ही कमाल है, और मैं इस ईश्वरीय शक्ति में विश्वास करती हूँ।

राजयोग की शक्ति को महसूस किया

मुझे यहाँ आकर जो खुशी व मन की शांति मिल रही है उसका मैं वर्णन नहीं कर सकती। वर्तमान समाज की हालत देखकर डर लगता है, लेकिन यहाँ आकर बहुत ही खुद को सुरक्षित अनुभव कर रही हूँ। ब्रह्माकुमारीज़ ममता भरी संस्था है जो विश्व को अपने आंचल में लेकर उसे संवारती व सुधारती जा रही है। आज के जो राजनीतिक व सामाजिक हालात हैं उसे देखकर डर लगता है कि हम अपने बाद आने वाली पीढ़ी के लिए कैसा समाज छोड़कर जा रहे हैं। लेकिन यह संस्था जिस प्यार, मोहब्बत के साथ सेवा कर रही है उसे देखकर एक विश्वास पैदा होता है। दादी जानकी से मिलने पर मुझे राजयोग की शक्ति की अनुभूति हुई। - **सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री रवीना टंडन।**

वसुधैव कुटुम्बकम का सर्वश्रेष्ठ चित्रण यहाँ

यहाँ दया, प्रतिबद्धता, ममता, करुणा देखने को मिलती है। वसुधैव कुटुम्बकम का जितना अच्छा चित्रण यहाँ हुआ है, कहीं नहीं हुआ। पूरा संसार एक परिवार है। हम सब एक ईश्वर की संतान हैं। - **इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के वरिष्ठ न्यायाधीश शबीह उल हसनैन।**

राजयोग का भागीरथी प्रयास ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा

ब्रह्माकुमारी संस्थान जीवन मूल्यों पर बखूबी कार्य कर रहा है। यह अद्भुत संस्थान है, इससे मैं पिछले 10 सालों से जुड़ा हुआ हूँ। जब भी यहाँ आता हूँ, खुद को हर बार यहाँ के लोगों से बहुत छोटा पाता हूँ। छोटेपन का यह अहसास ही मुझे यहाँ पर खींच लाता है। इनके कार्य को भागीरथी कार्य कहते हैं, उसमें यह संस्थान पूर्ण रूप से सफल है। राजयोग की शक्ति के द्वारा ही यह भागीरथी कार्य सम्पन्न होगा। - **ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी व वरिष्ठ पत्रकार एन.के. सिंह।**

राजयोग से बदलती है तकदीर

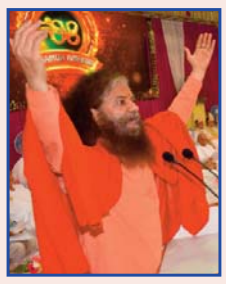

'हर पत्थर की तकदीर बदल सकती है, शर्त है कि उसे सलीके से संवारा जाये'। हमारी दादी जानकी ने देश को एक आत्म-ऊर्जा का मंत्र दिया। जब परमात्मा किसी के जीवन के साथ जुड़ता है तो सदा बहार आती है। राजयोग से परमात्मा ने सबके जीवन में आमूलचूल परिवर्तन कर दिया है। यहाँ मानव तथा प्रकृति के बीच में सामंजस्य का एहसास है। - **स्वामी चिदानंद जी।**

राजयोग ने जगाई है विश्व में नई चेतना

मैं ये महसूस कर रही हूँ कि मैंने यहाँ देर से आकर कितना कुछ खोया है, यह मेरा संस्था के साथ पहला संपर्क है, लेकिन मैं यहाँ आकर अभिभूत हूँ। राजयोग द्वारा संस्था ने विश्व में जो चेतना जगाई है वह अनुकरणीय है। हर चीज़ को यहाँ पवित्रता के साथ आगे बढ़ाया जाता है। राष्ट्र नीति में भी ब्रह्माकुमारीज़ अपना योगदान दे सकती है। - **न्यूज़ 24 की एडिटर इन चीफ अनुराधा प्रसाद।**

राजयोग नि:स्वार्थ भावना को करता प्रखर

नारी-शक्ति द्वारा विश्व परिवर्तन का कार्य आबू में संचालित हो रहा है, यह विश्व के अंदर कहीं भी नहीं है। इस परिवार का महामंत्र है तेरा सो तेरा मेरा भी तेरा। ये बहनें राजयोग द्वारा स्वार्थ से उठकर समाज निर्माण का कार्य कर रही हैं। हमने महसूस किया कि दादी जानकी की प्रखरता एवं कुशलता को देखकर उन्हें भारत रत्न तो क्या, बल्कि नोबेल पुरस्कार मिले जिसकी वे हकदार हैं। - **डॉ. लोकेश मुनि।**